

BUFFER STOCK OF COTTON

3631. **SHRI R. BARUA** : Will the Minister of **COMMERCE** be pleased to state :

(a) whether the proposal recently mooted by Government to create a buffer stock of cotton has made any headway; and

(b) if not, the impediments faced in the process ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI) : (a) and (b). The question of creating a Buffer Stock for raw cotton is being examined by a Committee set up for this purpose by Government. Its report is awaited.

AUSTRALIAN TRADE COMMISSIONER'S ADDRESS TO ANDHRA CHAMBER OF COMMERCE

3632. **SHRI D. N. PATODIA** : Will the Minister of **COMMERCE** be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Australian Trade Commissioner, while addressing the Andhra Chamber of Commerce in August, 1967 had stated that there was ample scope for Indian businessmen to invest their capital in Australia;

(b) whether he also suggested that it would be in the interest of both the countries if Indian businessmen and industrialists visit Australia to make an on-the-spot assessment and explore the possibilities of investment;

(c) if so, whether Government propose to pursue the matter; and

(d) if not, the reasons therefor ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI) : (a) to (d). We have no official information regarding the statement made by the Australian Trade Commissioner while addressing the Andhra Chamber of Commerce in August, 1967. We have, however, seen a press report published in September 3, 1967 issue of the Financial Express wherein it was mentioned that the Trade Commissioner had held out possibilities of Indo-Australian M94LSS/67—5

joint ventures in Australian industries while addressing the Andhra Chamber of Commerce. If any industrialist approaches us for the setting up of any joint venture in Australia, all assistance will be given to him within the framework of our declared policy regarding setting up of joint ventures abroad.

मध्य रेलवे के चांदनी स्टेशन के निकट रेलवे फाटक का बन्द किया जाना

3633. **श्री गं० च० दीक्षित** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मध्य रेलवे के चांदनी स्टेशन से एक फ्लांग की दूरी पर, खंडवा स्टेशन की ओर स्थित रेलवे फाटक को बन्द कर दिया गया है और इससे निकटवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों को बहुत कठिनाई हो रही है; और

(ख) यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं और क्या सरकार का विचार इस फाटक को फिर से खोलने का है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) और (ख) चांदनी स्टेशन से लगभग एक फ्लांग की दूरी पर इटारसी की ओर स्थित समपार नं० 167 (चौकीदार युक्त 'ग' श्रेणी का समपार) के जरिए बहुत कम यातायात गुजरता था, इसलिए अगस्त, 1964 में मध्य प्रदेश सरकार के अनुमोदन से उसे बन्द कर दिया गया। आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों की ओर से इस समपार को बन्द कर देने के सम्बन्ध में कोई शिकायत नहीं मिली है। अभी तक इस समपार को फिर से खोलने का कोई विचार नहीं है।

हसनपुर और झनझरपुर के बीच रेलवे लाइन

3634. **श्री केदार पट्टान** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पूर्वोत्तर रेलवे में हसनपुर और झनझरपुर के बीच रेलवे लाइन का निर्माण कार्य आरम्भ हो गया है;

(ख) यदि हां, तो अब तक कितनी प्रगति हुई है; और

(ग) यदि नहीं, तो इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) :

(क) जी, नहीं ।

(ख) और (ग). सवाल नहीं उठता ।

नहरिया सराय और कुशेश्वर के बीच

रेलवे लाइन का बिछाया जाना

3635. श्री केदार पस्वान : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि परिवहन साधनों के न होने के कारण पूर्वोत्तर रेलवे पर लहरिया सराय और कुशेश्वर के बीच यात्रा करने में लोगों को बड़ी कठिनाई होती है;

(ख) यदि हां, तो क्या इन दो स्थानों को रेल द्वारा जोड़ने का प्रस्ताव है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) :

(क) इस प्रकार की कठिनाइयों के सम्बन्ध में अभी तक कोई अभ्यावेदन नहीं मिला है ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) धन की कमी के कारण निकट भविष्य में प्रस्तावित लाइन के निर्माण को पर्याप्त प्राथमिकता मिलने की सम्भावना नहीं है ।

नाइलोन के घागे का आयात

3636. श्री बसवन्त : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1965-66 तथा 1966-67 में नाइलोन के कितने घागे का आयात किया गया और उस पर कितनी राशि व्यय की की गई;

(ख) 1967-68 में नाइलोन के कितने घागे का आयात करने का विचार है;

(ग) क्या देश में इस मांग को रेयन के घागे से पूरा किया जा सकता है; और

(घ) यदि हां, तो नाइलोन के घागे का और आयात करने का क्या प्रयोजन है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री मुहम्मद शक्की कुरंशी) : (क)

	मात्रा (लाख कि० घा० में)	मूल्य (करोड़ रु० में)
1965-66	26.16	2.68
1966-67	39.10	4.99

(ख) 6 करोड़ रुपये मूल्य के संश्लिष्ट घागे के लिये राज्य व्यापार निगम को दिये गये आयात लाइसेंस पर 1967-68 में 40 लाख कि० घा० नाइलोन घागे का आयात किया जायेगा । अब 3 करोड़ रुपए का और नियतन किया गया है और इसके कुछ भाग का आयात मार्च 1968 तक किये जाने की आशा है ।

(ग) तथा (घ). कृत्रिम रेशम बुनाई उद्योग के लिये रेयन घागा तथा संश्लिष्ट (नाइलोन) घागे दोनों ही कच्चे माल हैं । रेयन घागे का स्वदेशी उत्पादन रेयन वस्त्रों की मांग को पूरा करने के लिये पर्याप्त है । परन्तु संश्लिष्ट (नाइलोन) घागे के स्वदेशी उत्पादन को बढ़ाने के लिये इस प्रकार के घागे का आयात अपरिहार्य है ताकि बुनाई कारखानों, विशेषतः मिश्रित वस्त्रों का उत्पादन करने वाले कारखानों को पूर्ण रोजगार की व्यवस्था हो सके ।

बरौनी और कटिहार के बीच बड़ी रेलवे लाइन का बिछाया जाना

3637. श्री लखण लाल कपूर : क्या